ब्रेन इंटरनेशनल स्कूल

विषय – हिंदी　　　　कक्षा – बारह　　　　पुनरावृत्ति अभ्यास पत्र

खण्ड-'क' (अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर दीजिए –

'किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर उसकी आत्मा है।' यह उक्ति भारत जैसे प्राचीन राष्ट्र के संदर्भ में और भी अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाती है। संस्कृति राष्ट्र के जीवन मूल्यों, आदर्शों, दर्शन आदि को मानसिक धरातल पर अभिव्यक्त करने का महत्त्वपूर्ण साधन है। भारत में इसके पीछे हजारों वर्षों के आचरण, व्यवहार, अनुभव, चिंतन, मनन आदि की पूँजी लगी हुई है। कालचक्र के सैकड़ों सुखद एवं दु:खद घटनाक्रमों के दौरान कसौटी पर खरे उतर कर उन्होंने अपनी सत्यता व विश्वसनीयता अनेक बार सिद्ध की है। त्याग, संयम, परहित एवं अहिंसा या जीवों पर दया आदि भारतीय संस्कृति के सर्वोच्च मूल्यों में से हैं। संस्कृति और सभ्यता दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। अपने आयु, पद और अनुभव में बड़ों के प्रति आदर भाव, श्रद्धा व सम्मान रखना ही संस्कृति की आत्मा है, उसकी पहचान है। संस्कृति और उसके आदर्श एवं मूल्य एक दिन में निर्मित नहीं होते, वें हज़ारों वर्षों की अनुभूतियों तथा सिद्धांतों के परिणाम होते हैं। इन आदर्शों व मूल्यों के आधार पर ही राष्टीय संस्कृति निर्मित होती है। इसका निर्माण कार्य ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसका आचरण, व्यावहारिक ज़िंदगी में सहज रूप से अभिव्यक्त होना अर्थात् उसका अंगीभाव हो जाना, संस्कृति कहलाता है।

भारतीय संस्कृति का सर्वोच्च मूल्य त्याग है, वह मूल्य हमें पाश्चात्य संस्कृति तथा साम्यवादी संस्कृति की भोगवादी वृत्ति से दूर रखता है। इनकी इस भोगवादी संस्कृति ने आज संपूर्ण मानव जाति को विनाश के कगार पर पहुँचा दिया है और इसी प्रवृत्ति ने मनुष्य और प्रकृति के बीच एक खाई पैदा कर दी है । भारतीय संस्कृति सर्वसमावेशक है, जीवमात्र में ईश्वरीय सत्ता की अनुभूति करने वाली है। भारतीय संस्कृति अपने सुखों के लिए दूसरों को नष्ट करने की बर्बरता नहीं रखती। भारतीय संस्कृति में विश्वास करने वाले लोग, राजा से भी अधिक उस संन्यासी को समादृत करते हैं, जो विश्व कल्याण के लिए संयम नियम का पालन करते हुए अपना सर्वस्वार्पण करते हैं।

(i) 'भारत में आचरण, व्यवहार, चिंतन और मनन आदि की पूँजी लगी हुई है' पंक्ति से आशय है .... ।
उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(क) जीवन मूल्यों का महत्त्व　　**(ख)** ईश्वरीय सत्ता का योगदान

(ग) राष्ट्रीय संस्कृति की चेतना　　**(घ)** त्याग का उदात्त रूप

(ii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A): भारतीय संस्कृति का सर्वोच्च मूल व्याग है।

कारण (R): वह मूल्य हमें पाश्चात्य संस्कृति तथा साम्यवादी संस्कृति की भोगवादी वृत्ति से दूर रखता है।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कारण (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(iii) संस्कृति और सभ्यता एक-दूसरे के पूरक हैं, क्योंकि...............

(क) सभ्यता के भीतर ही संस्कृति का विकास

(ख) सांस्कृतिक निर्धारक तत्व ही सभ्यता को परिभाषित करते हैं।

(ग) सभ्यता व संस्कृति का प्रभाव एक-दूसरे पर पड़ता है।

(घ) सभ्यता उन्नति है और संस्कृति उदात्तता

(iv) संस्कृति के मूल में क्या समाहित है ?

(v) प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर सांस्कृतिक संरक्षण के विषय में क्या कहा जा सकता है ?

(vi) राष्टीय संस्कृति का निर्माण किस आधार पर होता है ?

(vii) भारतीय संस्कृति में राजा से अधिक संन्यासी को आदर देने का प्रबल कारण क्या है ?

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर दीजिए —

रात यों कहने लगा मुझसे गगन का चाँद
आदमी भी क्या अनोखा जीव है!
उलझनें अपनी बनाकर आप ही फँसता,
और फिर बेचैन हो जगता, न सोता है।
जानता है तू कि मैं कितना पुराना हूँ ?
मैं चुका हूँ देख मनु को जनमते-मरते
और लाखों बार तुझ-से पागलों को भी
चाँदनी में बैठ स्वप्नों पर सही करते।
आदमी का स्वप्न है ? वह बुलबुला जल का
आज उठता और कल फिर फूट जाता है
किन्तु फिर भी धन्य, ठहरा आदमी ही तो ?
बुलबुलों से खेलता, कविता बनाता है।
मैं न बोला किन्तु मेरी रागिनी बोली,
देख फिर से, चाँद ! मुझको जानता है तू ?
स्वप्न मेरे बुलबुले हैं ? है यही पानी ?
आग को भी क्या नहीं पहचानता है तू ?
मैं न वह जो स्वप्न पर केवल सही करते,
आग में उसको गला लोहा बनाता हूँ।
और उस पर नींव रखता हूँ नए घर की,
इस तरह दीवार फ़ौलादी उठाता हूँ।
मनु नहीं, मनु पुत्र है यह सामने, जिसकी
कल्पना की जीभ में भी धार होती है,
बाण ही होते विचारों के नहीं केवल,
स्वप्न के भी हाथ में तलवार होती है।
स्वर्ग के सम्राट को जाकर खबर कर दे,
रोज ही आकाश चढ़ते जा रहे हैं वे,
रोकिए, जैसे बने इन स्वप्नवालों को,
स्वर्ण की ही ओर बढ़ते आ रहे हैं वे।

(i) चाँद को किस बात का अहंकार है ?

(क) अपने सौंदर्य का
(ख) आदिमानव को देखने का
(ग) सृष्टि में प्राचीनतम होने का
(घ) कवि को कविता लिखते देखने का

(ii) चाँद के अनुसार मनुष्य का स्वप्न किसके समान है ?

(क) पानी
(ख) आग
(ग) बुलबुले
(घ) लोहे

(iii) 'आदमी को धन्य कहा गया है।' धन्य का कारण बताने वाले कथन है/ हैं —

I. नित नई कल्पना करने के कारण

II. सपनों पर कविता लिखने के कारण

III. नए-नए सृजन करने के कारण

(क) केवल (II)
(ख) (II) और (III)
(ग) केवल (III)
(घ) केवल (I)

(iv) मैं न वह जो .... लोहा बनाता हूँ - पंक्तियों में मनुष्य की किस शक्ति को महत्त्व दिया है ?

(v) नए घर की नींव रखकर उसे फौलादी बनाने से क्या अभिप्राय है ?

(vi) 'मनु नहीं, मनु पुत्र है यह सामने' पंक्ति में 'मनु पुत्र' किसे कहा गया है ?

खण्ड-'ख' (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर)

3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए—

(क) किस तरह के लेखन में लेखक को काफ़ी छूट होती है ?(शब्द सीमा – लगभग 20 शब्द)

(ख) आपके क्षेत्र में जल भराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। आए दिन लोगों को इसके कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या की ओर प्रशासन का ध्यान दिलाने के लिए आप समाचार-पत्र के किस शीर्षक के अंतर्गत छपने के लिए लेख भेजेंगे ? (शब्द सीमा – लगभग 40 शब्द)

(ग) प्रकाशन के लिए जाने वाली सामग्री से गलतियों और अशुद्धियों को हटाकर उसे प्रकाशन योग्य बनाने की ज़िम्मेदारी किसकी होती है ? (शब्द सीमा – लगभग 40 शब्द)

जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए —

(क) इंटरनेट पत्रकारिता की खूबियों और कमियों का उल्लेख कीजिए।

(ख) रेडियो समाचार लेखन में किन बुनियादी बातों का ध्यान रखना आवश्यक होता है ?

(ग) प्रिंट माध्यम के विषय में बताते हुए इसके आविष्कार पर भी प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए—

(क) घर से किसी तीर्थ स्थान की यात्रा

(ख) वह ऐतिहासिक इमारत

(ग) पहाड़ी झरना

6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए—

(क) कविता में बिंब का निर्माण कैसे होता है ? उदाहरण देकर समझाइए।

(ख) साहित्य की अन्य विधाओं से नाटक विधा के रूप में अंतर का कारण बताते हुए, नाटक के तत्त्वों पर विचार कीजिए।

(ग) 'कहानी' क्या है ? प्राचीन काल में इस संचार माध्यम का प्रयोग लोकप्रिय क्यों था और किसलिए होता था ?

खण्ड-'ग' (पाठ्य पुस्तकों अंतरा, अंतराल के आधार पर)

7. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए—

तोड़ो तोड़ो तोड़ो
ये ऊपर बंजर तोड़ो
ये चरती परती तोड़ो
सब खेत बनाकर छोड़ो
मिट्टी में रस होगा ही जब वह पोसेगी बीज को
हम इसको क्या कर डालें इस अपने मन क्या खोज को
गोड़ो गोड़ो गोड़ो

(i) काव्यांश में 'चरती परती' शब्द का अर्थ .... है।

(क) उपजाऊ ज़मीन
(ख) ऊसर ज़मीन
(ग) चरागाह के लिए छोड़ी गई ज़मीन
(घ) मकान बनाने वाली ज़मीन

(ii) निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

कथन- काव्यांश में मिट्टी के रस का गुण बताया गया है।

कारण - मिट्टी का रस बीज को पोषण प्रदान करता है।

(क) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।

(ख) कथन और कारण दोनों गलत है।

(ग) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(घ) कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है।

(iii) 'मन की खीज' से कवि का क्या आशय है ?

(क) मन की ईर्ष्या (ख) मन की झुंझलाहट

(ग) मन का अहंकार (घ) मन का आलस्य

(iv) मन की खीज हटाकर कवि .... करना चाहता है ?

(क) सृजन कार्य (ख) गीत गायन

(ग) प्रायश्चित्त (घ) तीर्थाटन

(v) खेतों की गुड़ाई करने पर क्या होगा ?

कथन 1- गुड़ाई करने से हल चलाना आसान हो जाएगा।

कथन 2- खेतों की सिंचाई करना आसान हो जाएगा।

कथन 3- खेतों की उर्वरा शक्ति बढ़ जाएगी।

(क) केवल कथन 1 (ख) केवल कथन 2

(ग) केवल कथन 3 (घ) केवल कथन 3

8. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए—

(क) जयशंकर प्रसाद की काव्यपंक्ति 'जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा' – के माध्यम से भारतवर्ष की किस विशेषता का पता चलता है ?

(ख) 'बनारस' कविता के आधार पर वसंतागमन पर बनारस शहर की गतिविधियों का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'बारहमासा' कविता जायसी की किस रचना का अंश है ? इस कविता में कवि ने नागमती के विरह की उपमा किससे और कैसे की है ?

9. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

(क) माँ की कुल शिक्षा मैंने दी,
पुष्प-सेज तेरी स्वयं रची,
सोचा मन में, "वह शकुंतला,
पर पाठ अन्य यह, अन्य कला।"
कुछ दिन रह गृह तू फिर समोद,
बैठी नानी की स्नेह-गोद।
मामा-मामी का रहा प्यार,
भर जलद धरा को ज्यों अपार;
वे ही सुख-दुःख में रहे न्यस्त,
तेरे हित सदा समस्त, व्यस्त;
वह लता वहीं की, जहाँ कली
तू खिली, स्नेह से हिली, पली,
अंत भी उसी गोद में शरण
ली, मूँदे दृग पर महावरण !

अथवा

(ख) के पतिआ लए जाएत रे मोरा पिअतम पास।
हिए नहि सहए असह दुःख रे भेल साओन मास।
एकसरि भवन पिआ बिनु रे मोहि रहलो न जाए।
सखि अनकर दुःख दारुन रे जग के पति आए।
मोर मन हरि हर लए गेल रे अपनो मन गेल।
गोकुल तेजि मधुपुर बस रे कन अपजस लेल॥
विद्यापति कवि गाओल रे धनि धरु मन आस।
आओत तोर मन भावन रे एहि कातिक मास॥

10. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए—

चौधरी साहब एक खासे हिंदुस्तानी रईस थे। बसंत पंचमी, होली इत्यादि अवसरों पर उनके यहाँ खूब नाचरंग और उत्सव हुआ करते थे। उनकी हर एक अदा से रियासत और तबीयतदारी टपकती थी। कंधों तक बाल लटक रहे हैं। आप इधर से उधर टहल रहे हैं। एक छोटा-सा लड़का पान की तश्तरी लिए पीछे-पीछे लगा हुआ है। बात की काट-छाँट का क्या कहना है। जो बातें उनके मुँह से निकलती थीं, उनमें एक विलक्षण वक्रता रहती थी। उनकी बातचीत का ढंग उनके लेखों के ढंग से एकदम निराला होता था। नौकरों तक के साथ उनका संवाद सुनने लायक होता था।

(i) **प्रस्तुत गद्यांश में .... विशेषताओं का वर्णन किया गया है।**

(क) भारतेंदु की (ख) राधेश्याम की

(ग) रामचंद्र की (घ) बदरीनारायण की

(ii) **चौधरी साहब एक खासे हिन्दुस्तानी रईस थे, खासे रईस से तात्पर्य है—**

(क) दिखावा करने वाला (ख) उत्सव मनाने वाला

(ग) गंभीर व्यक्तित्व वाला (घ) व्यंग्य करने वाला

(iii) **निम्नलिखित कथन तथा कारण पर विचार कीजिए और सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर लिखिए —**

कथन – चौधरी साहब हिंदुस्तानी रईस थे।

कारण – उनके यहां होली, वसंत पंचमी इत्यादि अवसरों पर खूब उत्सव हुआ करता था।

(क) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।

(ख) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(ग) कथन सही है किंतु कारण कथन की तही व्याख्या नहीं है।

(घ) कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है।

(iv) **प्रस्तुत गद्यांश में 'विलक्षण वक्रता' से तात्पर्य .... है।**

(क) मुहावरेदार (ख) कुटिलता

(ग) वाक् चातुर्य (घ) अनोखी वचन भंगिमा

(v) **'आप इधर से उधर टहल रहे हैं। एक छोटा-सा लड़का पान की तस्तरी लिए पीछे-पीछे लगा हुआ है। पंक्ति के माध्यम से लेखक के बारे में पता चलता है –**

(क) रियासत और तबीयतवारी (ख) फूहड़पन

(ग) गरीब (घ) अनाथ

11. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए—

(क) 'शेर' कहानी में उद्धृत व्यंग्य को स्पष्ट करते हुए लेखक के उद्देश्य का वर्णन कीजिए।

(ख) घड़ीसाज़ी का इम्तहान पास करने से लेखक के अभिप्राय को स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'बड़ी बहुरिया का संवाद हरगोबिन सुना सकने में असमर्थ था' कथन के माध्यम से हरगोबिन की तत्कालीन स्थिति की विवेचना कीजिए।

12. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में कीजिए—

(क) मेरे लिए एक दूसरी दृष्टि से भी यह अनूठा अनुभव था। लोग अपने गाँवों से विस्थापित होकर कैसी अनाथ, उन्मूलित ज़िंदगी बिताते हैं, यह मैंने हिंदुस्तानी शहरों के बीच बसी मज़दूरों की गंदी, दम घुटती, भयावह बस्तियों ओर स्लम्स में कई बार देखा था, किंतु विस्थापन से पूर्व वे कैसे परिवेश में रहते होंगे, किस तरह की ज़िंदगी बिताते होंगे, इसका दृश्य अपने स्वच्छ, पवित्र खुलेपन में पहली बार अमझर गाँव में देखने को मिला।

अथवा

(ख) बालक के मुख पर विलक्षण रंगों का परिवर्तन हो रहा था, हृदय में कृत्रिम और स्वाभाविक भावों की लड़ाई की झलक आखों में दिख रही थी। कुछ खाँसकर, गला साफ़ कर नकली पर्दे के हट जाने पर स्वयं विस्मित होकर बालक ने धीरे से कहा, 'लड्डू'। पिता और अध्यापक निराश हो गए। इतने समय तक मेरा श्वास घुट रहा था। अब मैंने सुख से साँस भरी। उन सबने बालक की प्रवृत्तियों का गला घोंटने में कुछ उठा नहीं रखा था। पर बालक बच गया। उसके बचने की आशा है क्योंकि वह 'लड्डू' की पुकार जीवित वृक्ष के हरे पत्तों पर मधुर मर्मर था, मरे काठ की अलमारी की सिर दुःखाने वाली खड़खड़ाहट नहीं।

13. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए—

(क) 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के आधार पर तत्कालीन समाज में नारी की स्थिति का वर्णन कीजिए। आज उनकी स्थिति में क्या कोई परिवर्तन आया है ? स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'बिस्कोहर की माटी' के आधार पर गाँव वालों का प्रकृति के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए।

(ग) धरती का वातावरण गरम क्यों हो रहा है ? इससे यूरोप और अमेरिका की क्या भूमिका है ? टिप्पनी कीजिए।